निर्माण उद्योग

---

1. विनिर्माण से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर ⇒ उपलब्ध कच्चे मालों का प्रसंस्करण कर जीवनोपयोगी वस्तुएँ तैयार करना विनिर्माण कहलाता है।

2. उद्योगों के स्थानीयकरण के तीन कारकों को लिखिए।

उत्तर ⇒ उद्योगों के स्थानीयकरण के तीन कारक निम्न हैं-

(i) कच्चा माल की आपूर्ति

(ii) शक्ति के साधनों की सुलब्धता

(iii) यातायात की सुविधा

(iv) पूँजी।

3. नई औद्योगिक नीति के मुख्य बिंदुओं का वर्णन करें।

उत्तर ⇒ नई औद्योगिक नीति के मुख्य बिंदु इस प्रकार से हैं –

(i) यह विश्वव्यापीकरण प्रक्रिया पर जोर देता है।

(ii) इससे निजीकरण को बढ़ावा मिला है।

(iii) इससे निवेश को बढ़ावा मिला एवं अधिक स्वतंत्रता के कारण विदेशी कंपनियाँ भारत आई हैं।

4. कृषि आधारित उद्योग किसे कहते हैं ?

उत्तर ⇒ वे सभी उद्योग जिनके लिए कच्चे माल कृषि क्षेत्र से प्राप्त होता है, कृषि आधारित उद्योग कहलाता है जैसे–चीनी उद्योग।

5. सार्वजनिक उद्योग किसे कहते हैं ?

उत्तर ⇒ वे समस्त उद्योग जिनका संचालन सरकार स्वयं करती है, सार्वजनिक उद्योग कहलाते हैं। जैसे–दुर्गापुर, भिलाई एवं राउरकेला का कारखाना।

6. वस्त्र उद्योग का अर्थव्यवस्था में क्या योगदान है ?

उत्तर ⇒ भारत में वस्त्र उद्योग का औद्योगिक उत्पादन में 14 प्रतिशत, विदेशी मुद्रा में 17 प्रतिशत एवं सकल घरेलू उत्पादन में 4 प्रतिशत है। यह 3.5 करोड़ लोगों को रोजगार प्रदान करता है। वस्त्र उद्योग कृषि के बाद रोजगार उपलब्ध कराने वाला दूसरा बड़ा क्षेत्र है।

7. संयुक्त अथवा सहकारी उद्योग क्या है ?

उत्तर ⇒ जब उद्योगों को दो या दो से अधिक व्यक्तियों या सहकारी समितियों की सहायता से चलाया जा रहा हो तो उसे संयुक्त अथवा सहकारी उद्योग कहते हैं। गुजरात का अमूल दूध उद्योग इसी का एक उदाहरण है।

8. सार्वजनिक और निजी उद्योग में अन्तर स्पष्ट करें।

उत्तर ⇒ सार्वजनिक उद्योग-ऐसे उद्योग जिसके संचालन की जिम्मेवारी सरकार के हाथ में होती है। जिसमें प्रायः भारी उद्योग एवं आधारभूत उद्योग को सम्मिलित किया जाता है। दुर्गापुर, भिलाई, राउरकेला, बोकारो जैसे इस्पात उद्योग सार्वजनिक उद्योग के उदाहरण हैं।

निजी उद्योग ऐसे उद्योग का स्वामित्व किसी व्यक्ति विशेष या सहकारी समिति के हाथ में होता है निजी उद्योग कहलाते हैं, जैसे. टाटा आयरन एंड स्टील कंपनी, जमशेदपुर इसी प्रकार का कारखाना है।

9. सूती वस्त्र उद्योग की प्रमुख समस्याएँ क्या है ?

उत्तर ⇒ सूती वस्त्र उद्योग की समस्याएँ निम्नलिखित हैं –

(i) पुरानी मिलों में पुरानी प्रौद्योगिकी का प्रयोग।

(ii) उत्तम कपड़ों का उत्पादन बढ़ाने में उदासीनता।

(iii) कृत्रिम कपड़ों की माँग का बढ़ना।

(iv) विद्युत आपूर्ति में बाधा।

(v) राजनीतिक माहौल का बिगड़ना, कारखाने में हड़ताल होना।

(vi) कर्मचारियों के समयानुकूल प्रशिक्षण और आधुनिक तकनीकों की जानकारी देने की व्यवस्था न होने के कारण उत्पाद की गुणवत्ता और मात्रा प्रभावित होती है।

10. औद्योगिक क्षेत्रों में पर्यावरण प्रदूषण रोकथाम हेतु कोई तीन उपयुक्त सुझाव दें।

उत्तर ⇒ औद्योगिक क्षेत्रों में पर्यावरण प्रदूषण की रोकथाम के लिए तीन मुख्य सुझाव हैं-

(i) कारखानों में ऊँची चिमनियों को लगाना एवं चिमनियों में प्रदूषक पदार्थों को अलग करनेवाले उपकरणों को लगाना चाहिए।

(ii) अपशिष्ट पदार्थों को शोधित कर पानी में गिराना चाहिए तथा गंदे मल-जल का शोधन कर पुनः उद्योग लायक बनाया जाना चाहिए।

(iii) ध्वनि प्रदूषक नियंत्रण यंत्र का प्रयोग करना चाहिए।

11. स्वामित्व के आधार पर उद्योगों को उदाहरण सहित वर्गीकृत कीजिए।

उत्तर ⇒ स्वामित्व के आधार पर उद्योगों को निम्न वर्गों में वर्गीकृत किया जाता कीजिए-

(i) सार्वजनिक क्षेत्र का उद्योग – भिलाई लौह इस्पात उद्योग, भारत हेवी इलेक्ट्रीक लिमिटेड (BHEL)

(ii) निजी क्षेत्र का उद्योग – टाटा लौह-इस्पात उद्योग।

(iii) सहकारी क्षेत्र का उद्योग – दक्षिण भारत की अधिकतर चीनी मिलें।

(iv) संयुक्त क्षेत्र का उद्योग – ऑयल इण्डिया लिमिटेड।

12. सिले-सिलाए वस्त्रों का उद्योग कहाँ विकसित है ?

उत्तर ⇒ तैयार वस्त्रों का उद्योग हलके उद्योग के रूप में पूरे भारत में फैला हुआ है। जयपुर, सूरत, लखनऊ, लुधियाना, श्रीनगर, कोलकाता में इसका सर्वाधिक प्रसार हुआ है। मेरठ, मुरादाबाद, आगरा, बुलंदशहर इत्यादि में होजरी एवं सिले-सिलाये वस्त्र के लिए प्रसिद्ध है।

13. वैश्वीकरण का लघु उद्योगों पर क्या प्रभाव पड़ा है ?

उत्तर ⇒ वैश्वीकरण के कारण देशी एवं लघु उद्योगों के सामने एक कड़ी चुनौती खड़ी हो गई जिससे उन्हें अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ा। आज मध्यम तथा उच्च वर्ग के लोग ब्रांड वाले वस्तुओं को अधिक खरीदते हैं। परिणामस्वरूप उद्योग या तो बंद हो गये हैं या फिर भारी मात्रा में कर्मचारियों की छटनी की है। अतः हम कह सकते हैं कि इसका विपरीत प्रभाव पड़ा है।

14. अल्युमिनियम उद्योग की स्थापना के लिए सस्ती विद्युत आपूर्ति आवश्यक है, क्यों ?

उत्तर ⇒ प्रति टन अल्युमिनियम निर्माण के लिए 18,600 किलोवाट विद्युत की आवश्यकता पड़ती है। जब अल्युमिनियम तैयार किया जाता है तो उसके कुल खर्चे का 30 से 40 प्रतिशत तक विद्युत पर होती है। इससे स्पष्ट है कि इस उद्योग के लिए सस्ती विद्युत आपूर्ति अतिआवश्यक है।

15. बहुराष्ट्रीय कंपनी किसे कहते हैं ?

उत्तर ⇒ ऐसी कंपनियाँ जो किसी एक देश में स्थित मुख्यालय से अनेक देशों में उत्पादन और सेवाओं का नियंत्रण करती है और अरबों रुपयों की पूँजी वाली हो बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ कहलाती हैं। नोकिया, पेप्सी इत्यादि इसके उदाहरण है।

16. भारत में रेडिमेड वस्त्र पार्क की स्थापना क्यों की गई ?

उत्तर ⇒ भारत में रेडिमेड कपड़ों के निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए तमिलनाडु में तिरुपुर के एट्टीवरम्पलायम गाँव में देश का पहला रेडिमेड वस्त्र पार्क .. स्थापित किया गया है।

17. उपभोक्ता उद्योग से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर ⇒ ऐसे उद्योग जो उत्पादन उपभोक्ता के सीधे उपयोग के लिए आते हैं, उपभोक्ता उद्योग कहलाते हैं, जैसे दंतमंजन, कागज, पंखा इत्यादि।

18. भारत में पटसन (जूट) उद्योग को कौन-कौन सी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है ? किन्हीं तीन का वर्णन करें।

उत्तर ⇒ समस्याएँ-

(i) जूट से बने कालीनों तथा टाट-बोरियों की माँग निरतर कम हो रही है।

(ii) जूट से बनी वस्तुओं का मूल्य अधिक होता है। इसलिए नियात बाजार में इन्हें कड़ी प्रतियोगिता का सामना करना पड़ता है।

(iii) कृत्रिम धागा सबन सामान के बढ़ते हुए प्रचलन ने भी जूट उद्योग के लिए समस्या उत्पन्न कर दी है।

19. पसमीना ऊन किस प्रकार तैयार होता है ?

उत्तर ⇒ पसमीना ऊन एक विशेष नस्ल की बकरियों के बालों (रोए) से तैयार किया जाता है, जो बहुत ही नरम एवं मुलायम होता है और बहुत गरमी देता है।

20. तापीय प्रदूषण क्या है ?

उत्तर ⇒ जब उद्योगों तथा तापघरों से गर्म पानी को बिना ठंढा किए ही नदियों तथा तालाबों में छोड़ दिया जाता है, तो जलीय जीव-जंतु मरने लगते हैं, इस प्रकार से उत्पन्न प्रदूषण तापीय प्रदूषण कहलाता है। इसकी वजह से सबसे ज्यादा प्रभावित सूक्ष्म जीव-जंतु एवं जलीय वनस्पतियाँ होती है जो सीधे जलकर नष्ट हो जाती हैं।

21. झारखंड और पश्चिम बंगाल में लोहा इस्पात के कारखाने कहाँ-कहाँ स्थापित हैं ? किसी एक की सुविधाओं का उल्लेख करें।

उत्तर ⇒ झारखंड में जमशेदपुर और बोकारो में लोहा-इस्पात का कारखाना स्थापित है। पश्चिमी बंगाल में कुल्टी, बर्नपुर और दुर्गापुर में लोहा-इस्पात के कारखाने स्थापित हैं।

जमशेदपुर के लोहा-इस्पात कारखाने को प्राप्त सुविधाएँ-

(i) लौह-अयस्क की आपूर्ति नोआमंडी, सुलेपत, गुरुमहिसानी और बदाम पहाड़ी से होती है।

(ii) कोयला की प्राप्ति झरिया और रानीगंज से होती है।

(iii) वीरमित्रापुर और पानपोश की खानों से चूना-पत्थर और डोलोमाइट की प्राप्ति होती है।

(iv) स्वर्ण रेखा और खरकई नदियों से जल की प्राप्ति की जाती है।

(v) कोलकाता-मुंबई रेलमार्ग पर होने से यातायात सुविधा उपलब्ध है।

22. पश्चिम बंगाल में जूट उद्योग किस क्षेत्र में विकसित है ?

उत्तर ⇒ पश्चिम बंगाल में अधिकांश मिलें हुगली नदी के किनारे पर 98 किलोमीटर लंबी तथा 3 किलोमीटर एक संकरी मेखला में स्थित है।

23. लौह एवं इस्पात उद्योग को आधारभूत उद्योग क्यों कहा जाता है ?

उत्तर ⇒ लौह एवं इस्पात उद्योग की सहायता से ही सभी उद्योगों को मशीने एवं संरचना प्राप्त होती है, इसी पर सभी हलके एवं भारी उद्योग निर्भर करते हैं। इसे अन्य उद्योगों का जनक भी कहा जाता है।